कोटा की सूरत बदल रही है धारीवाल जी के प्रयासों से

कोटा में चल रहे हैं हजारों करोड़ रुपए के विकास कार्यों शुरू करने के बाद अब नगरीय विकास मंत्री श्री शांति कुमार धारीवाल इसके लिये गम्भीर हैं कि सभी कार्य तेज गति से गुणवत्ता के साथ तय समय मे पूरे हो। इसी लिए वे व्यापक व्यस्ताओं के बावजूद जिस प्रकार समय-समय पर कोटा आकर मौके पर जाकर कार्यो की प्रगति को देखते-समझते हैं, अधिकारियों से चर्चा कर जरूरी हिदायतें देते हैं और जयपुर में भी बैठक लेकर इनकी निरन्तर समीक्षा करते हैं, वह विकास कार्यों को तीव्र गति से पूर्ण करने के प्रति उनकी गभीरता को दर्शाता है। अधिकारी भी सजग हैं, धारीवाल के रुख को देख कर। वे समझ गये हैं कि परिणाम दिखाना ही होगा,इसके बिना कोई चारा नहीं है। धारीवाल का भी विकास कार्यो के संदर्भ में चिंतन स्पस्ट है, कोरी लीपापोती से काम नहीं चलेगा, अधिकारी परिणाममूलक बनें।

विकास कार्यों के प्रति धारीवाल की डायनेमिक कार्य शैली, अद्भुत क्षमता,कल्पनाशीलता और गंभीर सोच का ही परिणाम है कि कोटा में दर्जनों विकास कार्यों ने तेज रफ्तार पकड़ी है। पूरे शहर में चारों

तरफ चल रहे विकास कार्यों को यहां की जनता हर दिन आशा भी नज़रों से देख रही हैं। जनता के मन में विश्वास है कि धारीवाल के इन चिंतनशील और गम्भीर प्रयासों से आने वाले दो-तीन सालों में कोटा शहर की सूरत ही बदल जाएगी।

नगर विकास न्यास के माध्यम से कोटा शहर में यातयात को सुगम बनाने, पार्किंग सुविधाओं का विकास, जल आपूर्ति में वृद्धि करने, सीवरेज तन्त्र सुदृढ़ करने, पार्कों को सुंदर बनाने, पर्यटन विकास, खिलाड़ियों को सुविधा, आवारा पशुओं से शहर को मुक्ति, मेडिकल सेवाओँ का विस्तार, सामुदायिक भवनों की सुविधा विस्तार एवं सड़को का सुदृढ़ीकरण की दिशा में धारीवाल विजन के वर्तमान में 18 प्रोजेक्ट्स पर तेजी से काम चल रहे हैं। कुछ कार्यों में वित्तीय एवं भौतिक प्रगति की दृष्टि से 30 से 40 प्रतिशत की प्रगति दर्ज की जा चुकी है।

चल रहे विकास कार्यों पर चर्चा करें तो पर्यटन विकास की दृष्टि से चम्बल के डाउन स्ट्रीम में चम्बल रिवर फ्रंट प्रोजेक्ट के साथ-साथ घोड़े वाला बाबा चौराहा, अदालत चौराहा एवं नयापुरा चौराहा के सौंदर्यकरण , आई.एल.आवासीय परिसर की भूमि में आधुनिक सिटी पार्क का विकास एवं सी. बी. गार्डन का विकास के काम शामिल हैं। यातायात एवं पार्किंग विकास कार्यों में सिटी माल के पास, अनंतपुरा तिराहे के पास एवं इंदिरा गांधी सर्किल के पास एलिवेटेड रोड, अंटाघर चौराहा, एरोड्रम चौराहा एवं गोबरिया बावड़ी चौराहा पर अंडर पास के कार्य किये जा रहे हैं। मल्टीपर्पज स्कूल में बहुमंजिला पार्किंग, एम.बी.एस. अस्पताल में कोर्ट के सामने सड़क विस्तार कर पार्किंग तथा जयपुर गोल्डन के पास बहुमंजिला पार्किंग स्थलों का कार्य किया जा था है। पेयजल के लिये पुराने अकेलगढ़ एवं सकतपुरा योजना के पुनरुद्धार एवं विस्तार कार्य शामिल हैं। खिलाड़ियों के लिये स्पोर्ट काम्प्लेक्स का विकास किया जा रहा है।

ये कुछ बानगी है कोटा की सूरत बदलने के लिए किए जा रहे विकास के कार्यों की। चल रहे विकास कार्यों से कोटा यातायात के दबाव से मुक्त होगा, दुर्धटनाओं में कमी आएगी, सड़के और चौराहें खूबसूरत बनेंगे और कोटा का आधारभूत ढांचा मजबूत होगा। साथ ही पर्यटन के नए द्वार भी खुलेंगे।

(लेखक कोटा में रहते हैं, वरिष्ठ पत्रकार हैं एवं राजस्थान जनसंपर्क विभाग के सेवा नृित्त अधिकारी हैं)